NEWS CLIPPING: 27.05.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर शुरू की मुहिम, जीविशा नामक स्वास्थ्य सहायता सेवा शुरू कर दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए

मानसिक रूप से परेशान लोगों को परामर्श देंगे मनोचिकित्सक

पहल

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने प्रशासन के साथ मिलकर जीविशा नामक स्वास्थ्य सहायता सेवा निशुल्क शुरू की है, इसाई क्लीनिक भी सहयोगी है।

इसके तहत टोल फ्री नंबर 18008911008 (शारीरिक सहायता) और 01141219298 (मानसिक स्वास्थ्य) के लिए जारी किए गए हैं। जिनके माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी टेली-परामर्श किया जा सकेगा। सुविधा का लाभ उठाने के लिए इच्छुक व्यक्ति को इन हेल्पलाइन नंबर पर मतदाता पहचान पत्र का विवरण देना होगा।

हेल्पलाइन के माध्यम से प्रशिक्षित मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की एक टीम द्वारा सहायता सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जिसमें भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के अनुभवी मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता शामिल किए गए हैं।

ऑडियो-वीडियो चैट से संपर्क कर पाएंगे : जीविशा के माध्यम से मानसिक परामर्श केलिए मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिकों के साथ टेक्स्ट, ऑडियो या वीडियो चैट पर संपर्क किया जा सकता है। जीविशा को शुरू करते हुए उपायुक्त यशपाल ने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी के कारण घरों में कैद युवा वर्ग, अधिक जोखिम वर्ग में शामिल बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों, लगातार काम कर रहे सुरक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में मानसिक तनाव या अवसाद होना स्वाभाविक है। लंबे समय तक मानसिक आघात में रहने के परिणामस्वरूप मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, अवसाद और तनाव बढ़ सकता है। इसलिए, ऐसे सभी मामलों में लोगों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए यह हेल्पलाइन लाभदायक होगी।

कोरोनाकाल में तेजी से बढ़ रहा मानसिक रोग

मनोचिकित्सकों का कहना है कि परिचितों और आसपास कोरोना से मौत सुनकर लोगों को मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। लोग तेजी से मानसिक रोगी हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें चिकित्सीय परामर्श की बेहद आवश्यकता है। इसके मद्देनजर जीविशा लोगों को मानसिक तनाव से उभारने में सहायक होगी। महामारी के मद्देनजर व्याप्त अनिश्चित स्थिति ने लोगों, विशेषकर युवाओं में भविष्य को लेकर व्यापक चिंता, भय, तनाव और अवसाद पैदा कर दिया है। एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों के मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान की तत्काल आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर छात्रों के लिए विशेष परामर्श सत्र का आयोजन किया जाएगा। जेसी बोस विश्वविद्यालय इससे पहले ऑक्सीजन वितरण प्रबंधन भी संभाल चुका है। कोरोना काल में यह दूसरी सहयोगी पहल है।

> प्रशासन के साथ मिलकर एक और सार्थक पहल शुरू करने पर संतोष है। राज्य का एक प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालय होने के नाते समाज और प्रशासन को तकनीकी समाधान और सहायता सेवाएं प्रदान करना विश्वविद्यालय का कर्तव्य है।
>
> **-प्रो. दिनेश कुमार**, कुलपति, जेसी बोस विश्वविद्यालय

> कोविड के नकारात्मक प्रभाव शारीरिक स्वास्थ्य के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ा है। इसलिए जीविशा लोगों के लिए सुविधाजनक होगी। लोगों को इस सेवा का लाभ उठाना चाहिए। जिसा प्रशासन भी प्रयास कर रहा है कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें मदद पहुंचाई जाएं।
>
> **-यशपाल**, उपायुक्त

NEWS CLIPPING: 27.05.2021

THE PIONEER

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को टेली-परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' शुरू

फरीदाबाद के लोगों के लिए जिला प्रशासन और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की पहल

फास्ट मीडिया, चंडीगढ़, भगवत दयाल। फरीदाबाद के लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन फरीदाबाद ने कोविड-19 महामारी के दौरान टेली-परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' शुरू की है, जिसमें जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद सहयोगी है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से प्रशिक्षित मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की समर्पित टीम द्वारा लोगों को निःशुल्क परामर्श सेवाएं दी जायेंगी। हेल्पलाइन सेवा में ऑनलाइन मानसिक परामर्श प्लेटफार्म - 'ईसाइक्लिनिक' भी सहयोग दे रहा है, जिसके माध्यम से मानसिक परामर्श के लिए मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिकों के साथ टेक्स्ट, ऑडियो या वीडियो चैट पर संपर्क किया जा सकता है। ऑक्सीजन रि-फिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम फरीदाबाद की सफलता के बाद, जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन फरीदाबाद के बीच यह दूसरी सहयोगी पहल है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग से डॉ रश्मि चावला परियोजना में नोडल अधिकारी हैं तथा परियोजना का समन्वय विभाग की अध्यक्ष प्रो नीलम तुर्क के साथ-साथ संकाय सदस्य मंजू कुमारी और स्टूडेंट वालंटियर्स द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र संघ 'वाईएमसीए मॉब' भी अपने संसाधनों के साथ पहल में सहयोग दे रहा है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने जिला प्रशासन के साथ एक और सार्थक पहल में सहयोगी बनने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राज्य का एक प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालय होने के नाते समाज और प्रशासन को तकनीकी समाधान और सहायता सेवाएं प्रदान करना विश्वविद्यालय का कर्तव्य है। महामारी के मद्देनजर व्याप्त अनिश्चित स्थिति ने लोगों, विशेषकर युवाओं में भविष्य को लेकर व्यापक चिंता, भय, तनाव और अवसाद पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान की तत्काल आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING: 27.05.2021

PUNJAB KESARI

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाओं के लिए टेली परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' शुरू

प्रशासन को तकनीकी समाधान प्रदान करना विश्वविद्यालय का कर्तव्यः कुलपति

फरीदाबाद, 26 मई (महावीर गोयल): फरीदाबाद के लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन फरीदाबाद ने कोविड-19 महामारी के दौरान टेली-परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' शुरू की है, जिसमें जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद सहयोगी है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से प्रशिक्षित मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की समर्पित टीम द्वारा लोगों को निःशुल्क परामर्श सेवाएं दी जायेंगी। हेल्पलाइन सेवा में ऑनलाइन मानसिक परामर्श प्लेटफार्म - 'ईसाइक्लिनिक' भी सहयोग दे रहा है, जिसके माध्यम से मानसिक परामर्श के लिए मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिकों के साथ टेक्स्ट, ऑडियो या वीडियो चैट पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला प्रशासन और जे.सी. बोस वि.वि. की संयुक्त पहल

ऑक्सीजन रि-फिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम फरीदाबाद की सफलता के बाद, जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन फरीदाबाद के बीच यह दूसरी सहयोगी पहल है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग से डॉ रश्मि चावला परियोजना में नोडल अधिकारी हैं तथा परियोजना का समन्वय विभाग की अध्यक्ष प्रो नीलम तुर्क के साथ-साथ संकाय सदस्य मंजू कुमारी और स्टूडेंट वालंटियर्स द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र संघ 'वाईएमसीए मॉब' भी अपने संसाधनों के साथ पहल में सहयोग दे रहा है।

कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने जिला प्रशासन के साथ एक और सार्थक पहल में सहयोगी बनने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राज्य का एक प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालय होने के नाते समाज और प्रशासन को तकनीकी समाधान और सहायता सेवाएं प्रदान करना विश्वविद्यालय का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर छात्रों के लिए विशेष परामर्श सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

जिला उपायुक्त यशपाल ने कहा कि कोरोना महामारी के नकारात्मक प्रभाव शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी देखे गए हैं। इसलिए, लोगों को अपने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए हेल्पलाइन सेवा का लाभ उठाने का आग्रह किया। हेल्पलाइन सेवा की विस्तृत जानकारी देते हुए एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने कहा कि महामारी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और सहयोग के महत्व को बढ़ा दिया है। प्रशासन ने फरीदाबाद के लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए टोल फ्री नंबर 18008911008 (शारीरिक सहायता) और 01141219298 (मानसिक स्वास्थ्य) के साथ एक टेली-परामर्श हेल्पलाइन शुरू की है। सुविधा का लाभ उठाने के लिए इच्छुक व्यक्ति को हेल्पलाइन नंबर पर मतदाता पहचान पत्र का विवरण प्रदान करना होगा। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रशिक्षित मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की एक टीम द्वारा सहायता सेवाएं प्रदान की जायेंगी। उन्होंने कहा कि महामारी और लॉकडाउन ने सभी के जीवन को प्रभावित किया है और यह लोगों के लिए तनाव का एक प्रमुख कारण है। महामारी के कारण घरों में कैद युवा वर्ग, अधिक जोखिम वर्ग में शामिल बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों, लगातार काम कर रहे सुरक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में मानसिक तनाव या अवसाद होना स्वाभाविक है। लंबे समय तक मानसिक आघात में रहने के परिणामस्वरूप मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, अवसाद और तनाव बढ़ सकता है। इसलिए, ऐसे सभी मामलों में लोगों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए हेल्पलाइन शुरू की गई है।

NEWS CLIPPING: 27.05.2021

NAVBHARAT TIMES

टेली परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' शुरू

■ वस, फरीदाबाद: महामारी के दौरान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन ने टेली-परामर्श हेल्पलाइन 'जीविशा' की शुरुआत की है। इसमें जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद सहयोगी है। इसके जरिए फ्री परामर्श सेवाएं दी जाएंगी।

एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने कहा कि प्रशासन ने फरीदाबाद के लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए टोल फ्री नंबर 18008911008 (शारीरिक सहायता) और 01141219298 (मानसिक स्वास्थ्य) के साथ एक टेली-परामर्श हेल्पलाइन शुरू की है। सुविधा का लाभ उठाने के लिए इच्छुक व्यक्ति को हेल्पलाइन नंबर पर मतदाता पहचान पत्र का विवरण प्रदान करना होगा।

हेल्पलाइन सेवा में ऑनलाइन मानसिक परामर्श प्लेटफार्म 'ई-साइक्लिनिक' भी सहयोग दे रहा है, जिसके माध्यम से मानसिक परामर्श के लिए मनोचिकित्सकों एवं मनोवैज्ञानिकों के साथ टेक्स्ट, ऑडियो या वीडियो चैट पर संपर्क किया जा सकता है। इससे कोविड संबंधी जटिलताओं से परेशान लोगों को राहत मिलेगी।